शब्दार्थ और टिप्पणी

वसंत आया

कुऊकना	–	चिड़िया की स्वाभाविक आवाज़, कुहुकना का तद्‌भव रूप
चुरमुराए	–	चरमराने की आवाज़
तरुवर	–	छायादार वृक्ष
फिरकी	–	फिरहरी, लकड़ी का खिलौना जो जमीन पर गोल-गोल घूमता है।
मदनमहीना	–	कामदेव का महीना (वसंत)
दहर-दहर	–	धधक-धधक कर
दहकना	–	लपट के साथ जलना
ढाक	–	पलाश
नंदन वन	–	आनंददायी वन (इंद्र का उद्यान)
मधुमस्त	–	पुष्पों का रस पीकर मस्त
पिक	–	कोयल
नगण्य	–	जो गिनती योग्य न हो, तुच्छ

तोड़ो

व्यापी	–	फैली हुई, व्याप्त
ऊसर-बंजर	–	अनुपजाऊ ज़मीन
चरती-परती	–	पशुओं के लिए चरागाह आदि के लिए छोड़ी गई ज़मीन

© NCERT not to be republished